

शिवाशिवशतक ।

अर्थात्

पार्वती और परमेश्वर का अनेक भाव से
स्तुति ।

श्रीनन्महाराज कुमार बाबू नर्मदेश्वरप्रसाद
मिह साहब दिल्लीपुर रचित ।

जिसकी

डुमराँव निवासी नकछेदी तिवारी उपनाम
अज्ञान कवि ने सतजनों के चित्तजि-
टार्थ प्रकाशित किया ।

‘अधूरा देखने से न देखना अच्छा’

यह पुस्तक भारतजीवन प्रेस की
में छपी और उक्त प्रेस में मिलेगी ।

काशी ।

भारतजीवन प्रेस में मुद्रित हुआ ।

सन् १८८२ ई० ।